



अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद

केंद्रीय कार्यालय : 3, मार्बल आर्च, सेनापति बापट मार्ग, माटुंगा रोड (प.रे.), माहिम, मुंबई - 400016
 ☎ +91 22 24306321/24378866 📠 24313938 📧 abvpkendra@gmail.com 🌐 www.abvp.org

दि. 08 मार्च 2025

-:प्रेस विज्ञप्ति:-

अभाविप की पूर्वोत्तर, जनजातीय तथा छात्रा संसद रविवार से होगी शुरू।

शिक्षा, नेतृत्व और सशक्तिकरण का संगम: अभाविप की तीन दिवसीय छात्र संसद।

पूर्वोत्तर से जनजातीय समाज तक: छात्र संसद में राष्ट्रीय समरसता और विकास पर होगा मंथन।

अभाविप की तीन दिवसीय छात्र संसद 9, 10 और 11 मार्च 2025 के मध्य दिल्ली के NDMC सभागार में संपन्न होगी। यह छात्र संसद देशभर के छात्र प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, नीति-निर्माताओं और समाजसेवियों को एक मंच प्रदान करेगी, जहाँ वे शिक्षा, नेतृत्व, सामाजिक समरसता और राष्ट्र निर्माण जैसे विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। इस ऐतिहासिक आयोजन के अंतर्गत जनजातीय छात्र युवा संसद 9 मार्च को, छात्रा संसद 10 मार्च को और पूर्वोत्तर युवा संसद 11 मार्च को आयोजित होगी। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय अमित शाह जी पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद में, दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी के साथ राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर जी छात्रा संसद में एवं जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके जी जनजातीय छात्र युवा संसद में तथा पूर्वोत्तर छात्र एवं युवा संसद के समापन समारोह में माननीय सर्बानंद सोनोवाल जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

जनजातीय छात्र संसद 9 मार्च को आयोजित होगी, जिसमें देशभर से वनवासी क्षेत्रों के छात्र भाग लेंगे। विगत दशक में देश की विकास यात्रा में जनजातीय समाज की समान भागीदारी, शिक्षा को बढ़ावा देने, सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण तथा जन अधिकारों की रक्षा के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इस संसद में जनजातीय समुदायों की शिक्षा, उनके सांस्कृतिक संरक्षण, सरकारी योजनाओं की प्रभावशीलता और रोजगार के अवसरों पर गहन मंथन किया जाएगा। इस आयोजन में देशभर की 124 से अधिक भिन्न जनजातियों का प्रतिनिधित्व रहेगा, जिसमें 300 से अधिक जनजातीय समाज के छात्र भाग लेंगे। विशेष रूप से बैगा, सहरिया, मारिया, मोडिया जैसी अति पिछड़ी जनजातियों के छात्र भी इस संसद में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएंगे और अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं पर विचार रखेंगे। इस अवसर पर जनजातीय कार्य राज्य मंत्री श्री दुर्गा दास उइके जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे और जनजातीय क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के निराकरण एवम केंद्र की प्रभावशाली नीतियों के विषय में अपने विचार साझा करेंगे।

छात्रा संसद 10 मार्च को आयोजित होगी, जिसका उद्देश्य छात्राओं की वैचारिक स्पष्टता को बढ़ाना और उन्हें प्रभावी रूप से समाज का नेतृत्व करने के लिए सशक्त करना है। इस संसद में शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन, भारतीय चिंतन में महिला की भूमिका तथा विकसित भारत 2047 में महिलाओं की सहभागिता जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया जाएगा। इस छात्रा संसद के आयोजन को लेकर देशभर में छात्राओं के बीच व्यापक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें उनकी शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और नेतृत्व संबंधी चुनौतियों को समझा गया। इस सर्वेक्षण के आधार पर छात्राओं की समस्याओं और उनके समाधान पर संवाद हेतु इस सत्र की रूपरेखा तैयार की गई। इस संसद में देश के सभी राज्यों से 250 से अधिक छात्राओं की उपस्थिति रहेगी, जिसमें छात्र संघ पदाधिकारी, एनएसएस, एनसीसी और अन्य प्रतिभाशाली छात्राओं की भागीदारी होगी। इस अवसर पर दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता जी एवं राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष श्रीमती विजया रहाटकर जी मुख्य अतिथि होंगी और महिलाओं की सामाजिक और राष्ट्रीय भूमिका पर अपने विचार रखेंगी।

पूर्वोत्तर छात्र युवा संसद 11 मार्च को आयोजित होगी। पूर्वोत्तर भारत और शेष भारत के बीच राष्ट्रीय एकात्मता को सुदृढ़ करने तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिए अभाविप अंतर राज्यीय छात्र जीवन दर्शन (SEIL) कार्यक्रम के माध्यम से "एक राष्ट्र, एक जन, एक संस्कृति" और "भारत मेरा घर है" के विचार के साथ लंबे समय से कार्यरत है। इस कार्यक्रम के माध्यम से पूर्वोत्तर भारत के सभी आठों राज्यों के छात्र संगठनों के प्रतिनिधि भाग लेंगे। यह संसद पूर्वोत्तर भारत के शांति, सौहार्द और विकास को स्थापित करने, स्थानीय संस्कृति, परंपरा, शिक्षा और भाषा के संरक्षण में छात्र संगठनों की भूमिका को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर होगी। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री माननीय अमित शाह जी इस सत्र में मुख्य अतिथि होंगे और जनजातीय विकास, उनके अधिकारों और आर्थिक अवसरों को लेकर छात्रों से संवाद करेंगे।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ. वीरेंद्र सिंह सोलंकी ने कहा कि यह तीन दिवसीय छात्र संसद केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि युवाओं की आवाज को नीति-निर्माण तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। यह आयोजन छात्रों को सामाजिक समस्याओं को समझने, समाधान सुझाने और राष्ट्रनिर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने का अवसर देगा। परिषद का मानना है कि युवा ही देश के भविष्य की दिशा तय करते हैं, और यह छात्र संसद भारत के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

(यह प्रेस विज्ञप्ति केन्द्रीय कार्यालय मंत्री श्री सौरभ पाण्डेय द्वारा जारी की गई है।)